हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

मंगलवार 19 मई 2026 बर्ष 02 अंक 132 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

अनमोल वचन

अपने आप की तुलना किसी से मत करो, यदि आप ऐसा कर रहे है तो आप स्वयं अपनी बेइज़्ज़ती कर रहे है। – बिल गेट्स

नालंदा विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह आज, 14 देशों के 219 छात्रों को मिलेगी उपाधि

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। प्राचीन ज्ञान परंपरा और वैश्विक शिक्षा के आधुनिक केंद्र नालन्दा विश्वविद्यालय में आज तृतीय स्नातकोत्सव समारोह (दीक्षांत) का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह समारोह विश्वविद्यालय के नव–निर्मित 2000 सीट क्षमता वाले अत्याधुनिक 'विश्वमित्रालय' सभागार में आयोजित होगा, जहां देश–विदेश के गणमान्य अतिथि, शिक्षाविद् और छात्र शामिल होंगे। समारोह में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं बिहार के माननीय राज्यपाल सैयद अता हसनैन तथा भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सचिव (ईस्ट) रुद्रेंद्र टंडन भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस बार परीक्षाओं के समापन के मात्र नौ दिनों के भीतर दीक्षांत समारोह आयोजित कर एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। विश्वविद्यालय का मानना है कि समय पर उपाधि प्रदान कर छात्रों के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक भविष्य को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है। यह निर्णय संस्थान की उत्कृष्ट शैक्षणिक व्यवस्था और छात्र–केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। दीक्षांत समारोह में वर्ष 2024–26 बैच के कुल 219 स्नातकों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। खास बात यह है कि ये छात्र 14 विभिन्न देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनमें वियतनाम, बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार समेत कई एशियाई और अंतरराष्ट्रीय देश शामिल हैं। इससे नालंदा विश्वविद्यालय की वैश्विक पहचान और अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक प्रभाव स्पष्ट रूप से

दिखाई देता है। शैक्षणिक उत्कृष्टता को सम्मानित करने के लिए आठ मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किए जाएंगे। इनमें सात छात्राएं शामिल हैं, जो विश्वविद्यालय में महिला शिक्षा और छात्राओं की बढ़ती उपलब्धियों का प्रेरणादायक उदाहरण मानी जा रही हैं। दीक्षांत समारोह के उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा विश्वविद्यालय के कौटिल्य सेंटर फॉर कैपेसिटी बिल्डिंग का उद्घाटन भी किया जाएगा। यह केंद्र प्रशासनिक, नेतृत्व और क्षमता विकास से जुड़े विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रमुख केंद्र बनेगा। राजगीर की ऐतिहासिक धरती पर आयोजित यह समारोह न केवल शिक्षा और ज्ञान की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएगा, बल्कि भारत की वैश्विक शैक्षणिक भूमिका को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संदेश देगा।

मलमास मेला – दूसरे दिन 50 हजार श्रद्धालुओं ने लगायी ब्रह्मकुंड में डुबकी

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। मलमास मेला के दूसरे दिन सोमवार को 50 हजार श्रद्धालुओं ने ब्रह्मकुंड सहित अन्य कुंडों में डुबकी लगायी। अहले सुबह 3 बजे से ही श्रद्धालुओं की कतार लग जाती है जो 11 बजे तक चली। उसके बाद भीड़ में कमी आयी। इन दिनों राजगीर में काफी गर्मी भी पड़ रही है। इसका भी असर श्रद्धालुओं पर पड़ रहा है। इस तपती गर्मी में बच्चे, बूढ़े व अन्य लोग निकलने में कतरा रहे हैं। दूसरे दिन एएसपी संकेत कुमार ने कुंड क्षेत्र में सुरक्षा का जायजा लिया।

सामान की चिंता नहीं, लॉकर की सुविधा उपलब्ध

राजकीय मलमास मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने वैतरणी नदी के पास आश्रय स्थल पर पहली बार लॉकर की सुविधा उपलब्ध करायी है। श्रद्धालु अपना कीमती सामान, कपड़ा और बैग सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं को सुरक्षित रूप से लॉकर में रखकर निश्चिंत होकर स्नान एवं धार्मिक अनुष्ठान कर सकेंगे। प्रशासन द्वारा आश्रय स्थल पर पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा सहायता और विश्राम की भी बेहतर व्यवस्था की गई है।

नालंदा विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रोनिंगन के बीच शैक्षणिक सहयोग हेतु समझौता

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। नालंदा विश्वविद्यालय भारत और यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रोनिंगन नीदरलैंड्स के बीच 16 मई को शैक्षणिक सहयोग एवं वैश्विक ज्ञान साझेदारी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुआ। नालंदा विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रोनिंगन के बीच हुए इस समझौते को उच्च शिक्षा, नवाचार, अकादमिक गतिशीलता तथा अंतःविषय शोध सहयोग को प्रोत्साहित करने वाली एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में विशेष रूप से देखा गया। यह सहयोग छात्रों, शोधार्थियों और पेशेवरों के लिए शैक्षणिक आदान–प्रदान एवं संस्थ. ागत सहयोग के माध्यम से वैश्विक अवसरों के नए मार्ग प्रशस्त करेगा। इसका उद्देश्य भारतीय विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को अंतरराष्ट्रीय एक्सपोज़र प्रदान करना, उच्च गुणवत्ता वाले शोध एवं वैश्विक प्रकाशनों को बढ़ावा देना तथा नवाचार, सहयोग, वित्तीय साझेदारी और प्रतिभा विनिमय को प्रोत्साहित करने वाले मजबूत वैश्विक शैक्षणिक नेटवर्क विकसित करना है। प्राचीन नालंदा महाविहार के ऐतिहासिक परिसर के निकट स्थापित नालंदा विश्वविद्यालय एक आधुनिक अंतरराष्ट्रीय संस्थान है जो सभ्यतागत ज्ञान परंपराओं एवं अंतःविषय शिक्षा पर आधारित है। यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रोनिंगन यूरोप के अग्रणी शोध विश्वविद्यालयों में से एक है जिसे स्थिरता, नवाचार, ऊर्जा संक्रमण तथा वैश्विक अकाद. मिक सहभागिता के क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए विश्वभर में मान्यता प्राप्त है।

हरनौत के झंडू कुमार ब्रिटेन के ग्लासगो शहर में आयोजित होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में दिखाएंगे दम, पावरलिफ्टिंग में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)। नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड के प्रतिभाशाली पावरलिफ्टिंग खिलाड़ी झंडू कुमार अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने के लिए तैयार हैं। झंडू कुमार का चयन वर्ष 2026 में ब्रिटेन के ग्लासगो शहर में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए हुआ है, जहां वे पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। 23 जुलाई से 3 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाले इस बड़े खेल आयोजन में दुनिया के कई देशों के मजबूत खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। ऐसे में हरनौत के इस होनहार खिलाड़ी पर पूरे जिले और राज्य की निगाहें टिकी हैं। झंडू कुमार लगातार कठिन अभ्यास और फिटनेस ट्रेनिंग में जुटे हुए हैं। उनकी तैयारी नालंदा पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन की निगरानी में चल रही है। झंडू कुमार इससे पहले भी कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और कई पदक अपने नाम कर चुके हैं। यही कारण है कि इस बार भी उनसे बेहतरीन प्रदर्शन और पदक की उम्मीद की जा रही है। खेल के

प्रति उनका समर्पण और अनुशासन युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है। नालंदा पारा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव कुन्दन कुमार पांडे एवं अध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार सिन्हा ने संयुक्त रूप से कहा कि झंडू कुमार की यह उपलब्धि पूरे नालंदा जिले के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने कहा कि झंडू की सफलता उनकी कड़ी मेहनत, संघर्ष और अटूट आत्मविश्वास का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि झंडू कुमार कॉमनवेल्थ गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश, बिहार और नालंदा का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊंचा करेंगे।इस अवसर पर एसोसिएशन के सदस्य प्रमोद कुमार, रवि कुमार, प्रो. धनंजय कुमार, सतनाम कबीर, ज्ञानेश, संजू, चंद्रा तथा रॉकस्टार जिम के कोच गौतम सिंह और आकाश कुमार सहित कई गणमान्य लोगों ने झंडू कुमार को शुभकामनाएं और बधाई दी। झंडू कुमार की सफलता ने स्थानीय युवाओं में खेलों के प्रति नया उत्साह भर दिया है। उनका संघर्ष और उपलब्धि यह साबित करती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो छोटे शहरों और गांवों से निकलकर भी अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचा जा सकता है।

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या
विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
7033325120,9931609015

मलमास मेला के दूसरे दिन बैतरणी नदी में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, गाय की पूंछ पकड़कर किया प्रतीकात्मक पार

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)। राजकीय मलमास मेला के दूसरे दिन मंगलवार को राजगीर स्थित पवित्र बैतरणी नदी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई तथा धार्मिक मान्यता के अनुसार गाय की पूंछ पकड़कर बैतरणी नदी पार करने की परंपरा निभाई। श्रद्धालुओं का मानना है कि ऐसा करने से पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। मेला क्षेत्र में इन दिनों भीषण गर्मी का असर भी देखने को मिल रहा है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण बच्चे, बुजुर्ग एवं अन्य श्रद्धालु दिन के समय बाहर निकलने से कतरा रहे हैं। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है तथा बड़ी संख्या में लोग धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हो रहे हैं। दूसरे दिन एएसपी संकेत कुमार ने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार मलमास मेले के दौरान 33 कोटि देवी–देवता राजगीर में विराजमान रहते हैं।

श्रद्धालुओं का कहना है कि यहां स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है। वहीं, यह भी मान्यता है कि बैतरणी नदी में गाय की पूंछ पकड़कर पार करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी आस्था के साथ लोग पूरे श्रद्धा भाव से मलमास मेले में शामिल होकर धार्मिक अनुष्ठान कर रहे हैं। वहीं, प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इस बार कई विशेष इंतजाम किए गए हैं। बैतरणी नदी के समीप बनाए गए आश्रय स्थल पर पहली बार लॉकर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। श्रद्धालु अपने कीमती सामान, कपड़े, बैग एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं को सुरक्षित रूप से लॉकर में रखकर निश्चिंत होकर स्नान एवं पूजा–पाठ कर रहे हैं। इसके अलावा आश्रय स्थल पर पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा सहायता एवं विश्राम की भी समुचित व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को काफी राहत मिल रही है।

मेला शुरू हो जाने के बाद भी पुलिस सहायता केन्द्र में नहीं है कोई सुरक्षा बल

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। मलमास शुरू हो जाने के बाद भी राजगीर बाजार गिरियक मोड़ के पास बनाया गया पुलिस सहायता केन्द्र में अब तक पुलिस फोर्स की तैनाती नहीं की गयी है। पुलिस सहायता केन्द्र में लोहे के ठेले, प्लास्टिक के टूटे–फूटे बक्से यह दिखा रही है कि पुलिस की व्यवस्था कितनी बेहतर है। वहीं यह राजगीर बाजार गिरियक मोड़ का सबसे अधिक व्यस्त सड़क है। यहां पर चार मोहानी है। राजगीर गिरियक होते नवादा गया की ओर जाती है, दूसरी कुंड क्षेत्र की ओर, ब्लॉक मोड़ एवं राजगीर बाजार बस स्टैंड की ओर ले जाती है। इस मोड़ पर काफी भीड़ भाड़ भी रहती है फिर भी पुलिस सहायता केन्द्र में अब तक पुलिस फोर्स की व्यवस्था नहीं की गई है। मलमास मेला को लेकर प्रशासन का दावा की यहां पर सुरक्षा के बेहतर इंतजाम किया गया है। उसके बाद भी दूसरे दिन तक राजगीर के चौक चौराहों पर पुलिस फोर्स कम ही दिखाई पड़ती है तो कहीं कुछ भी नहीं। वरीय पदाधिकारी के निर्देश के बावजूद भी पुलिस सहायता केंद्र पर पुलिस फोर्स के जवान नहीं है। कुछ हैं भी तो वे मोबाइल में लगे रहते हैं।

27 महीने बाद आधुनिक स्वरूप में खुला नालंदा पुरातत्व संग्रहालय, पर्यटकों में खुशी की लहर

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर सोमवार को नालंदा पुरातत्व संग्रहालय के दरवाजे पर्यटकों के लिए फिर से खोल दिए गए। आधुनिकीकरण के लिए 8 मार्च 2024 से बंद इस ऐतिहासिक संग्रहालय को 27 महीने बाद नए डिजिटल अवतार में देखकर पर्यटक काफी उत्साहित नजर आए। 100 साल से भी अधिक पुराने इस भवन को अब आधुनिक तकनीक से सुसज्जित किया गया है। म्यूजियम प्रभारी सहायक अधीक्षण पुरातत्वविद् डॉ. बीरेंद्र कुमार ने बताया कि संग्रहालय को डिजिटल रूप दिया गया है। संग्रहालय के प्रत्येक गैलरी में इंटरएक्टिव स्क्रीन लगाई गई है ताकि पर्यटक इतिहास की गहरी जानकारी खुद प्राप्त कर सकें। सबसे ज्यादा फायदा छात्रों को होगा। परिसर में एक नया अनुभव केंद्र भी शुरू किया गया है, जहां चलचित्रों (वीडियो) के माध्यम से नालंदा के गौरवशाली इतिहास को दिखाया जा रहा है। संग्रहालय में मुख्य गैलरी समेत कुल पांच गैलरी बनाई गई हैं, जिनमें 334 दुर्लभ प्रतिमाएं प्रदर्शित हैं। मुख्य गैलरी में भगवान बुद्ध की भूमि स्पर्श और ओमकेश्वर मुद्रा में प्रतिमाएं पर्यटकों का मन मोह रही हैं।

इसके अलावा अष्टधातु की मूर्तियां, बहुमूल्य पत्थर के मनके, सील और दीर्घा संख्या चार में सामंतभद्र की प्रतिमा मुख्य आकर्षण है। बड़े एलएफडी और एलईडी के जरिए लघु वृत्त चित्रों के माध्यम से उत्खनन और संरक्षण की जानकारी भी दी जा रही है। उड़ीसा कटक से आए डॉ. देवभंज संघमित्रा, कल्याणी राय और अन्य ने कहा कि पहले वे सिर्फ खंडहर देखने आते थे, लेकिन डिजिटल म्यूजियम के कारण अब इतिहास को समझना काफी आसान और रोचक हो गया है। जमुई से आए पर्यटकों ने बताया कि पहले की अपेक्षा अब हर चीज को बारीकी से समझा जा सकता है। संग्रहालय प्रत्येक शुक्रवार को बंद रहेगा। वहीं टिकट दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

मेला में नहीं जुट रही भीड़, मंहगाई का दिख रहा असर

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)। राजकीय मलमास मेला के पहले दिन थियेटर, सर्कस सहित अन्य तरह के खेल तमाशे का उद्घाटन का दौर रहा। मंहगाई के कारण दर्शकों पर इसका सीधा असर पड़ता दिख रहा है। दूसरे दिन भी रात के समय उतनी भीड़ नहीं दिखी जितनी अमूमन होती है। सर्कस हो चाहे थियेटर इस बार दर्शकों को अपनी ओर खींच पाने में असफल होता दिख रहा है। सर्कस में भी कोई खास आइटम नहीं दिखाया जाता है। एक रस्सी का खेल जिमनास्टिक को छोड़कर वहां कुछ है ही नहीं। इस कारण दर्शकों को यह अपनी ओर खींच पाने में असफल होता दिख रहा है। वहीं थियेटरों में अब पहले के जैसी नाटक नहीं होता है जिस कारण दर्शकों को कोई खास मनोरंजन नहीं हो पाता है। यहां पर बस नर्तकियां खड़ी होकर हिलते–डुलते ही नजर आती है। हालांकि मेला में धीरे–धीरे स्नान करने वाले लोग आने लगे हैं। पूरे दिन सड़कों पर लोगों की आवाजाही लगी रहती है। शहर के छबिलापुर चौक पर पूरा दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। यहां पर एक तो ई–रिक्शा वाले दो कतार में अपनी गाड़ी खड़ी रखते हैं वहीं सब्जी वाले भी सड़क पर ही अपना सामान पसारे रहती है। ऐसे में जाम लगना स्वभ. ।विक है।

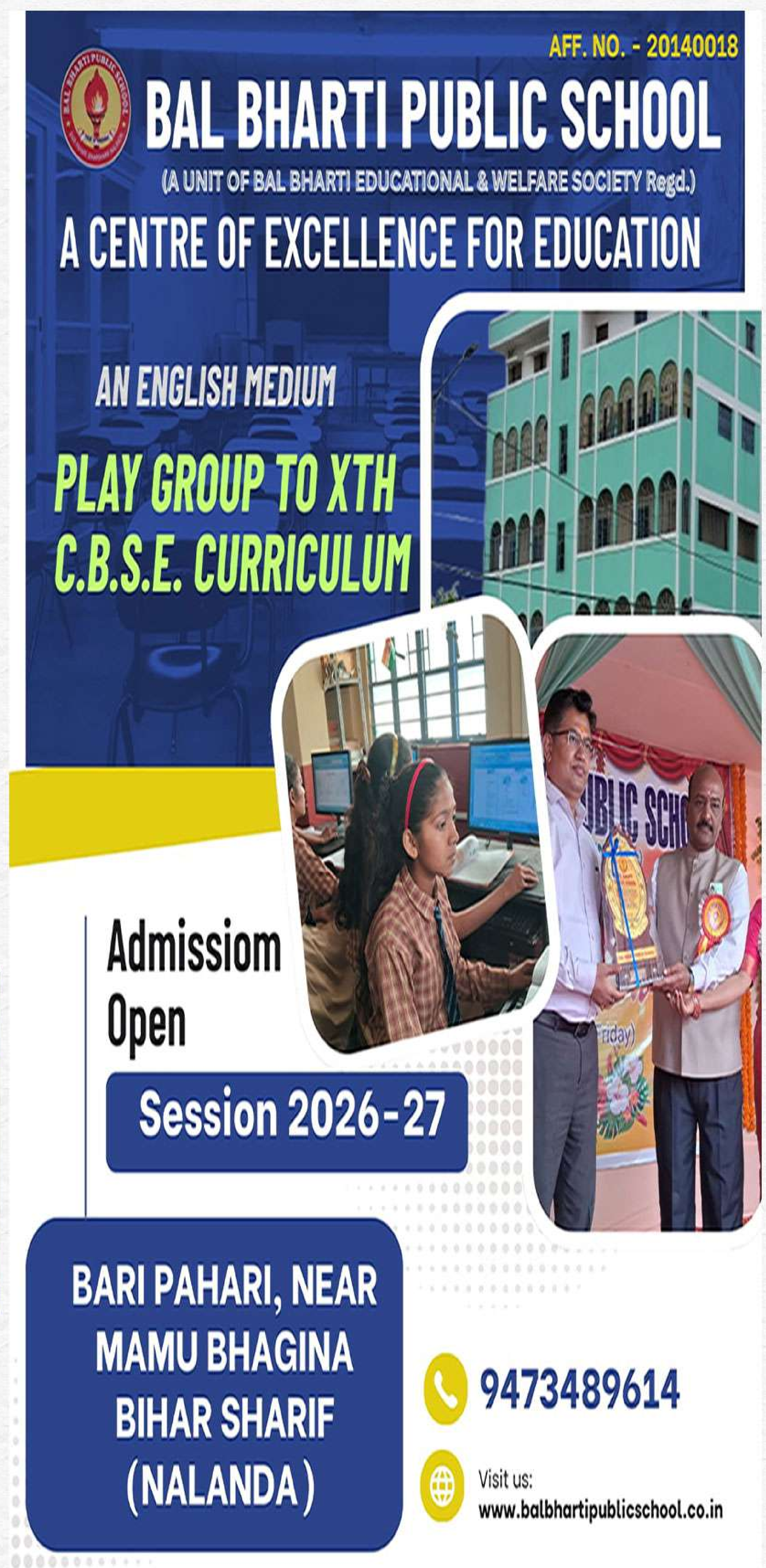

उखड़ा पहुंचे पूर्व विधायक रणविजय सिंह, स्व. मीना देवी को दी श्रद्धांजलि परिजनों से मिलकर बंधाया ढांढस, शोकसभा में जुटे कई गणमान्य लोग

केशववाणी संवाददाता राकेश कुमार हरनौत (नालंदा)। बख्तियारपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रणविजय सिंह उर्फ लल्लू मुखिया सोमवार को हरनौत प्रखंड के उखड़ा गांव पहुंचे, जहां उन्होंने स्वर्गीय मीना देवी के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व विधायक ने स्व. मीना देवी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और दुख की इस घड़ी में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। ज्ञात हो कि स्व. मीना देवी की दर्दनाक मौत बख्तियारपुर–राजगीर रेलखंड पर चेरो ओपी क्षेत्र के खरुआरा हॉल्ट के समीप हुई थी। बताया जाता है कि रेललाइन पार करने के दौरान वह मालगाड़ी की चपेट में आ गई थीं, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई थी। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई थी।श्राद्ध कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष प्रकाश चंद्र

भारती सहित बिजन कुमार, राम जन्म प्रसाद, कृष्ण प्रसाद राम, उदय प्रसाद एवं अन्य लोगों ने भी स्व. मीना देवी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा के दौरान माहौल गमगीन रहा और उप. स्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

मंदिलपुर मोड़ पर विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने झरझरिया गाड़ी में मारी टक्कर, एक युवक हुए जख्मी

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट रहूई(नालंदा)। रहूई थाना क्षेत्र के मंदिलपुर मोड़ पर सोमवार को तेज रफ्तार कार ने झरझरिया वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में झरझरिया वाहन पर एक युवक जख्मी हो गए। झरझरिया वाहन चालक रहूई के मिज. ापुर गांव निवासी अदालत पासवान ने बताया कि हरनौत के शाहपुर से काम करके झरझरिया गाड़ी से घर लौट रहे थे। वाहन पर कुल पांच मजदूर सवार थे। जैसे ही स्टेट हाईवे 78 पर मं. दलपुर मोड़ पर पहुंचा तो भागन बीघा की तरफ से विपरीत दिशा से तेज रफ्तार कार ने झरझरिया वाहन में टक्कर मार दी। इस हादसे में झरझरिया वाहन पर सवार मिर्जापुर गांव के सनी कुमार जख्मी हो गए। जबकि धर्मपाल कुमार ,टन टन राम और दो अन्य लोग को भी चोट लगी है। वही झरझरिया वाहन की पहिया टूट कर सड़क किनारे गिर गया। और कार की अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। जख्मी ने बताया कि कार चालक शराब के नशे में था। घटना की सूचना मिलते ही रहूई थाना के पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर कार चालक को हिरासत में ले लिया।

और जख्मी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रहूई पहुंचाया। वहां पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया कि कार तेज गति से विपरीत दिशा से आ रहा था। जिसकी वजह से हादसा हुआ है। वही रहूई थाना प्रभारी विजय ललित ने बताया कि कार चालक शराब के नशे में था। चालक को हिरासत में लेकर जांच पड़ताल की जा रही है।

पंचायतवार सहयोग शिविर में शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट (नालंदा)। बिहार सरकार द्वारा सात निश्चय–3 के अंतर्गत सबका सम्मान, जीवन आसान अभियान को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आम नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु पंचायतवार सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में जिला प्रशासन नालंदा द्वारा विस्तृत दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक सप्ताह के सोमवार एवं शुक्रवार को ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल तथा जिला स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में आम लोगों को अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं सुझाव सीधे रखने का अवसर दिया जाएगा। वहीं, शिकायतों के निष्पादन हेतु प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को पंचायतवार सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला पदाधिकारी नालंदा कुंदन कुमार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 19 मई 2026, 2 जून 2026, 16 जून 2026, 30 जून 2026, 7 जुलाई 2026 एवं 21 जुलाई 2026 को आयोजित शिविरों में निर्धारित स्थल पर उप. स्थित रहकर शिकायतकर्ताओं से सम्मानपूर्वक मिलें तथा उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी द्वारा प्रखंडवार शिकायतों के अनुश्रवण एवं निष्पादन के लिए अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति भी की गई है। बिहारशरीफ एवं नूरसराय प्रखंड के लिए जिला आपूर्ति पदाधिकारी सोमनाथ सिंह, हरनौत एवं रहुई के लिए अपर समाहर्त्ता–सह–अपर जिला दण्डाधिकारी राजीव रंजन कुमार सिन्हा, अस्थावाँ एवं बिन्द के लिए अपर समाहर्त्ता रंजन कुमार चौधरी तथा सरमेरा प्रखंड के लिए जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी वीरेन्द्र कुमार को जिम्मेदारी सौंपी गई है।इसी प्रकार राजगीर प्रखंड के लिए अनुमंडल पदाधिकारी सूर्य प्रकाश गुप्ता, सिलाव एवं बेन के लिए जिला बन्दोबस्त पदाधिकारी प्रभात चन्द्र, गिरियक एवं कतरीसराय के लिए भूमि सुधार उप समाहर्त्ता राजीव रंजन, हिलसा एवं करायपरशुराय के लिए अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार पटेल तथा एकंगरसराय एवं इसलामपुर के लिए अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी मधुकान्त को प्रतिनियुक्त किया गया है। इसके अलावा परवलपुर एवं थरथरी प्रखंड के लिए जिला भू–अर्जन पदा. धिकारी साकेत सुमन सौरभ तथा नगरनौसा एवं चंडी प्रखंड के लिए वरीय उप समाहर्त्ता संजीत बक्शी को जिम्मेदारी दी गई है। जिला पदा. धिकारी ने सभी प्रतिनियुक्त अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने–अपने प्रखंडों में आयोजित सहयोग शिविरों में प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा करेंगे तथा उनके समयबद्ध निवारण की प्रक्रिया का अनुश्रवण सुनिश्चित करेंगे। साथ ही प्रत्येक शिविर दिवस के उपरांत प्रतिवेदन उपलब्ध कराना भी अनिवार्य किया गया है।

हरनौत प्रखंड कार्यालय के समीप एक झोपड़ीनुमा में लगी आग, झोपड़ी में रखे सारा सामान जलकर हुआ खाक

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत(नालंदा)। हरनौत प्रखंड कार्यालय के पास स्थित एक झोपड़ी नुमा दुकान में सोमवार की दोपहर 2 आग लगने से झोपड़ी में रखें सारा सामान जलकर खाक हो गया। झोपड़ी में अचानक आग लगने से कुछ देरी के लिए अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गए। लगभग 1 घंटे के बाद आग पर काबू पाया गया। पीड़ित महिला सबनाहुआ डीह गांव निवासी चुन्नू मिस्त्री के पत्नी चंद्रकांता देवी ने बताया कि डाक बंगला रोड स्थित हरनौत प्रखंड कार्यालय के पास एक झोपड़ी में भूंजा का दुकान खोले हुए थे। दोपहर के समय झोपड़ी में अचानक आग लग गई। हालांकि आग कैसे लगी है इसकी जानकारी अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। पीड़ित महिला ने बताया कि इस आगलगी में लगभग 10 हजार रुपए की सामान जलकर नष्ट हो गया है।

सात निश्चय–3 के तहत शिकायतों के त्वरित निपटारे पर जोर, पंचायतवार सहयोग शिविर 19 मई को

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। जिला पदाधिक. ारी नालंदा श्री कुंदन कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय तकनीकी एवं गैर–तकनीकी पदाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समन्वय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जन शिकायतों के त्वरित निष्पादन, पंचायतवार सहयोग शिविर, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा एवं मलमास मेला 2026 सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि बिहार सरकार के सात निश्चय–3 के अंतर्गत "सबका सम्मान, जीवन आसान" अभियान के तहत प्रत्येक सप्ताह सोमवार एवं शुक्रवार को ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल तथा जिला स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में आम लोगों की शिकायतों के समाधान हेतु अधिकारी निध. ारित स्थल पर उपस्थित रहेंगे। अधिकारी शिकायतकर्ताओं से सम्मानपूर्वक मिलकर उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनेंगे और त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि आम नागरिकों को सीधे शिकायत एवं सुझाव रखने का अवसर देने के लिए प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को पंचायतवार सहयोग शिविर आयोजित किए जाएं। इसी कड़ी में जिले के सभी प्रखंडों में 19 मई 2026 को सहयोग शिविर लगाया जाएगा। संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया कि पंचायत स्तर पर प्राप्त आवेदनों का निष्पादन हर हाल में शिविर से पूर्व सुनिश्चित किया जाए, ताकि शिकायतकर्ताओं को समाधान की सूचना दी जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि आम लोग सहयोग हेल्पलाइन नंबर 1100 तथा सहयोग पोर्टल ेलवह.इपींत.हवअ.पद पर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्हा. ेने कहा कि पंचायतवार एवं प्रखंडवार रोस्टर निर्धारित कर नियमित रूप से शिविरों का आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा।बैठक में जिलाधिकारी ने अवैध खनन, पीडीएस दुकानों में गड़बड़ी, आरटीपीएस काउंटर, भू–माफिया, निबंधन कार्यालय तथा सरकारी कार्यों में बिचौलियों के भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छापेमारी अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जाए। सेवा संवाद समाधान कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को जिले के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों, अनुमंडल, प्रखंड, थाना एवं पंचायत स्तर पर कार्यक्रम का नियमित आयोजन सुनिश्चित किया जाए। सभी अधिकारी कार्यालय समय के दौरान अपने कार्यालय कक्ष में उपस्थित रहकर आम लोगों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान करें। जन्म, मृत्यु, जाति, आय प्रमाण पत्र, भूमि विवाद, दाखिल–खारिज, पेंशन, अनुदान एवं जन शिकायतों के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने का निर्देश भी दिया गया। साथ ही लंबित मामलों की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया कि अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, एक्स–रे सहित सभी मशीनों को शत–प्रतिशत क्रियाशील रखा जाए। खराब मशीनों की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा मरीजों को अनावश्यक रेफर किए जाने की सूची उपलब्ध कराई जाए। राणा विगहा, चंडी में हेल्थ सेंटर निर्माण हेतु भूमि चिन्हित करने का भी निर्देश दिया गया। गर्मी के मौसम को देखते हुए अग्निशमन दस्ते को पूरी तरह अलर्ट मोड में रखने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि खेत–खलिहानों में अगलगी की घटनाओं पर तत्काल प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जाए और व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए। जिला कृषि पदाधिकारी को आपदा से हुई फसल क्षति का शीघ्र आकलन कर मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया गया। वहीं प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना के तहत अधिक से अधिक लोगों तक सोलर सिस्टम का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया। आपदा प्रबंधन की समीक्षा के दौरान सड़क दुर्घटना में मृतकों के परि. जनों को अनुग्रह अनुदान राशि का शीघ्र भुगतान करने तथा जीआर मामलों को आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया गया। साथ ही बाढ़ पूर्व तटबंधों की मरम्मत हर हाल में पूर्ण करने को कहा गया। मलमास मेला 2026 को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि प्रतिनियुक्त सभी अधिकारी अपने दायित्वों का समय पर निर्वहन सुनिश्चित करें। बिना अनुमति अनुप. स्थित पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। बैठक में राजस्व एवं भूमि सुधार, मद्य निषेध, आप. ूर्ति विभाग, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, लंबित सीडब्ल्यूजेसी, एमजेसी, सीपीग्राम एवं मानवाधिकार मामलों की भी समीक्षा की गई। साथ ही पेंशनधारियों के जीवन प्रमाणीकरण एवं डुप्लीकेट लाभुकों को चिन्हित कर हटाने का निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, आईसीडीएस विभाग के अधिकारी एवं संबंधित कार्यपालक अभियंता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

भारतीय संस्कृति में सूर्य व चन्द्र दोनों का समान महत्व - फलाहारी बाबा

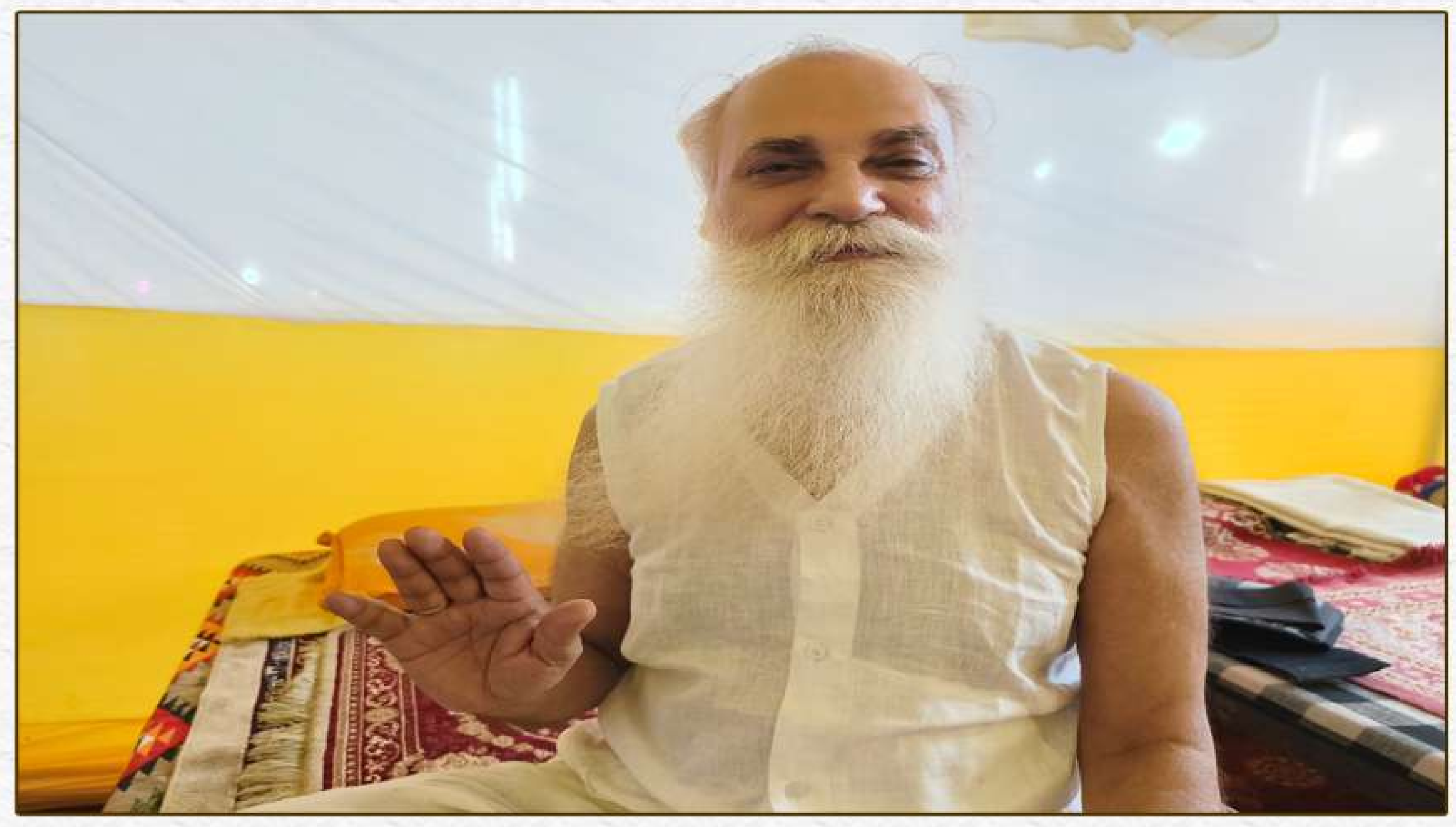

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। भारतीय संस्कृति में सूर्य व चन्द्र दोनों का समान महत्व है। महीनों के रूप में जहां चन्द्र मास की प्रधानता दी जाती है वहीं वर्ष के रूप में सौर वर्ष को स्वीकारा गया है। नौ मासों में चार प्रकार का मास प्रयोग में होता है। ये बातें सिमरियाघाट के संत स्वामी चिदात्मन जी महाराज उर्फ फलाहारी बाबा ने गढ़ महादेव के पास अपने प्रवचन में कहीं। बाबा ने कहा कि सूर्य एक राशि में जितनी अवधि तक रहता है उसे अवधि को एक सौर मास कहा जाता है जो कम से कम 22 दिन तथा अधिक से अधिक 32 दिन का। चन्द्रमास शुल्कपक्ष की प्रतिपदा से अमावश्या तक एक चन्द्रमास माना जाता है। अमावस्या को सूर्य–चन्द्र एक राशि के समान आंश पर होते हैं। सौर वर्ष 365 दिन के और चन्द्र वर्ष 354 दिन के होता है। यदि इन दोनों में एकरूपता नहीं लायी जाय तो त्योहारादि भी मुहर्रम की तरह कभी ग्रीष्म व कभी जाड़ा में आयेंगे। इसलिए सौर एवं चन्द्रवर्ष के लगभग 11 दिन के अंतर को मिटाने के लिए अधिमास या मलमास की व्यवस्था की गयी है। तीन साल पर राजगीर का मलमास भारतीय एकता अखण्डता और विश्वमानवता के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। वास्तव में सर्वधर्म का विधिवत पालन किया जाय तो वह इस लोक तथा परलोक दोनों के लिए सब प्रकार से कल्याणकारी होता है।

सामाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक में लोकतंत्र संविधान और शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। बिहारशरीफ के खंदकपर स्थित रॉयल पैलेस होटल में सामा. जिक कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न सामाजिक एवं राजनी. तिक संगठनों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता किसान नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता चंद्रशेखर प्रसाद ने की। बैठक में लोकतंत्र, संविधान, चुनाव प्रणाली, परीक्षा में पेपर लीक की घटनाओं तथा यूजीसी के नए नियमों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में ईवीएम मशीन के उपयोग को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं और इससे लोकतंत्र प्रभावित हो रहा है। साथ ही संविधान एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप भी लगाया गया। वक्ताओं ने कहा कि देश में लगातार महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर लीक होने से छात्र एवं युवा परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को इस दिशा में कठोर कदम उठाने चाहिए। बैठक में वक्ताओं ने प्रधानमंत्री द्वारा आम जनता से सोना नहीं खरीदने, तेल की बचत करने एवं विदेश यात्रा कम करने की अपील का उल्लेख करते हुए कहा कि दूसरी ओर जनप्रतिनिधियों द्वारा बड़े काफिलों के साथ यात्रा की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि आम जनता कब तक त्याग करती रहेगी। यूजीसी के नए नियमों पर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 2026 में जारी संशोधित नियमों में 'जाति आधारित भेदभाव' को शामिल किया गया है, जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों के विरुद्ध भेदभाव को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही यह भी बताया गया कि 2025 के मसौदे में झूठी शिकायतों पर सजा का जो प्रावधान था, उसे नए नियमों से हटा दिया गया है। बैठक में यूजीसी बिल 2026 को लागू करने, समान शिक्षा प्रणाली लागू करने, कॉलेजियम प्रणाली समाप्त करने, यूपीएससी एवं बीपीएससी की तर्ज पर परीक्षा के माध्यम से जजों की नियुक्ति करने तथा उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव समाप्त करने की मांग उठाई गई। इसके अलावा बैलेट पेपर से चुनाव कराने, निजी स्कूलों एवं कॉलेजों का सरकारीकरण करने तथा पेपर लीक मामलों की न्यायिक जांच कराने की मांग भी की गई। बैठक में अतिपिछड़ा/दलित/अल्पसंख्यक संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं फुटपाथ संघर्ष मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामदेव चौधरी, फुटपाथ संघर्ष मोर्चा के जिला महासचिव महेंद्र प्रसाद, दिलीप कुमार, परमेश्वर प्रसाद, राजकुमार प्रसाद, जोगेंद्र प्रसाद, आम आदमी पार्टी के पूर्व जिला सचिव शा. हनवाज, आम जनता पार्टी 'इंडिया' के राष्ट्रीय सचिव सम्राट रंजीत चौधरी, राजनंदन मौर्य, लालती देवी सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता उप. स्थित थे।

मलमास मेला को लेकर प्रशासन अलर्ट, पेट्रोल–डीजल और रसोई गैस की आपूर्ति पर्याप्त : डीएम

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट पावापुरी(नालंदा)। राजकीय मलमास मेला 2026 के दौरान पेट्रोल–डीजल एवं रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर सा. ेमवार को जिला पदाधिकारी नालंदा कुंदन कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी तेल विपणन कंपनियों के सेल्स ऑफिसर एवं जिला के वरीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में नोडल सेल्स ऑफिसर ने बताया कि जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल–डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है तथा सभी पंप पूरी क्षमता के साथ संचालित हो रहे हैं। तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने कहा कि जिले में ईंधन आपूर्ति की कोई समस्या नहीं है और खपत के अनुरूप लगातार आपूर्ति जारी है। जिलाधिकारी ने सभी तेल विपणन कंपनियों के सेल्स ऑफिसरों को निर्देश दिया कि पेट्रोल–डीजल की बढ़ती मांग को देखते हुए अपने वरीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर पर्याप्त मात्रा में ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित करें। साथ ही पेट्रोल पंपों पर 5 से 10 प्रतिशत अतिरिक्त स्टॉक रखने का भी निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि वितरण में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न होने पर तत्काल उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा अद्यतन जानकारी जिला प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए, ताकि विधि–व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। रसोई गैस की उपलब्धता की समीक्षा के दौरान नोडल पदाधिकारी एलपीजी ने बताया कि जिले की 54 गैस एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 8522 घरेलू एलपीजी सिलेंडर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि राजगीर मलमास मेला शुरू होने के बाद हो. टलों एवं सामुदायिक रसोईयों में वाणिज्यिक सिलेंडरों की मांग बढ़ेगी। इसे देखते हुए सभी कंपनियों को पर्याप्त मात्रा में कमर्शियल सिलेंडर स्टॉक में रखने का निर्देश दिया गया है।

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि बिहारशरीफ, राजगीर एवं सिलाव क्षेत्र में पीएनजी पाइपलाइन बिछाने का कार्य तेजी से चल रहा है। कई वार्डों, न्यू नालंदा विश्वविद्यालय, बिहार पुलिस अकादमी एवं आयुध कारखाना में पीएनजी पाइपलाइन का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि अन्य क्षेत्रों में कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में पीएनजी पाइपलाइन बिछ चुकी है, वहां उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। प्रशासन द्वारा विशेष निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लोग कनेक्शन ले रहे हैं या नहीं। जिला प्रशासन का उद्देश्य एलपीजी सिलेंडर पर निर्भरता कम कर सुरक्षित एवं निरंतर गैस आपूर्ति सुनिश्चित करना है। अब तक जिले में 1963 ला. ेगों को पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है। जिलाधिकारी ने इंडियन ऑयल–अडानी गैस प्राइवेट लिमिटेड को निर्देश दिया कि जहां आवासीय विद्यालय, महाविद्यालय, छात्रावास, सामुदायिक रसोई एवं आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर पीएनजी कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाए। एलपीजी सिलेंडर से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम भी संचालित किया जा रहा है। उपभोक्ता टोल फ्री नंबर 06112–233168 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिलाधिकारी ने आम लोगों से अपील की कि यदि कहीं पेट्रोल–डीजल या एलपीजी सिलेंडर की जमाखोरी, कालाबाजारी अथवा घरेलू गैस सिलेंडर का व्यवसायिक उपयोग हो रहा हो, तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।